

రామ్ కీ ఫౌండేషన్ ఆధ్వర్యంలో...

దేశవ్యాప్తంగా రక్తదాన శిబిరాలు

లక్నో కాపూల్: అన్ని దానాల్లోకి రక్తదానం గొప్పదని ఒక్కరు రక్తాన్నిస్తే ఆపదలో ఉన్న ముగ్గురిని కాపాడవచ్చని రామ్ కీ మేనేజింగ్ ట్రస్టీ ఆళ్ల దాక్షాయణి రెడ్డి పేర్కొన్నారు. సోమవారం భద్రతా వాలోత్సవాలను పురస్కరించుకొని రామ్ కీ ఇన్స్ట్రాక్షన్స్ షబీక్ లిమిటెడ్ ప్రధాన కార్యాలయం హైదరాబాద్ తో పాటు పలు రాష్ట్రాల ప్రాంతీయ కార్యాలయాల్లో ఉద్యోగులు రక్తదానం చేశారని వివరించారు రెడ్ క్రాస్ సొసైటీ, సెయింట్ థెరిసా తదితర ట్రస్ట్ బ్యాంకుల సీబ్బుంది ఆయా కార్యాలయాల్లో శిబిరాలను ఏర్పాటు చేయగా 771 మంది ఉద్యోగులు రక్తదానం చేశారని చెప్పారు. ఈ సందర్భంగా దాక్షాయణి మాట్లాడుతూ దేశ వ్యాప్తంగా 18 రాష్ట్రాల్లో తమ ఫౌండేషన్ వివిధ కార్యక్రమాలు నిర్వహిస్తోందని, ఉద్యోగులు విధులకే పరిమితం కాకుండా సామాజిక కార్యక్రమాల్లో భాగ



రక్తదాన శిబిరంలో పాల్గొన్న ఉద్యోగులు

స్వాములు అవుతున్నారన్నారు. ఈ కార్యక్రమాల రూపకల్పన, నిర్వహణలో రామ్ కీ ఇన్స్ట్రాక్షన్స్ ఎం డి వై ఆర్ నాగరాజు, ఫ్లానింగ్ హెడ్ దివాకర్ మర్రి, భద్రతావిభాగం హెడ్ బన్నిధర్ సాహూ, రామ్ కీ ఫౌండేషన్ ఆపరేషన్స్ హెడ్ ఎమ్వీ రామిరెడ్డి, ఫౌండేషన్ ఉద్యోగులు పాలు పంచుకున్నారు.

దేశవ్యాప్తంగా 'రామ్ కీ' రక్తదాన శిబిరాలు

హైదరాబాద్, ఏప్రిల్ 16: భద్రతా వాలోత్సవాల సందర్భంగా రామ్ కీ ఫౌండేషన్ ఆధ్వర్యంలో దేశవ్యాప్తంగా రక్తదాన శిబిరాలు జరిగినట్లు ఆ సంస్థ ఒక ప్రకటనలో పేర్కొంది. ఈ సందర్భంగా మన రాష్ట్రంతో పాటు పలు రాష్ట్రాల్లోని రామ్ కీ ఇన్స్ట్రాక్షన్స్ లిమిటెడ్ కి చెందిన ఉద్యోగులు పెద్ద ఎత్తున రక్తదానం చేశారు. మొత్తం 771 మంది రక్తదానంలో పాల్గొన్నారు. హైదరాబాద్ లో రక్తదాన శిబిరాన్ని రామ్ కీ ఫౌండేషన్ మేనేజింగ్ ట్రస్టీ ఆళ్ల దాక్షాయణి ప్రారంభించారు. అన్ని దానాల్లోకి రక్తదానం ఎంతో గొప్పదని, ఒకరి రక్తదానం ఆపదలో ఉన్న ముగ్గురిని కాపాడగలదని ఆమె పేర్కొన్నారు.



दो दर्जन युवाओं ने किया रक्तदान

बांदा | हिन्दुस्तान संवाद

काशीराम कृषि विश्वविद्यालय में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें तेइस कर्मचारियों ने रक्तदान किया। बताया कि कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है इसके लिए सभी को आगे आना चाहिए। रक्तदान के जरिए हम किसी को भी जीवनदान दे सकते हैं। इस दौरान आयोजित गोष्ठी में एच आईवी और टीबी के प्रति भी जागरूक किया गया।

जिला एड्स निवंत्रण एवं रोकथाम ईकाई तथा रामकेच इन्फास्टक्चर प्राईवेट लि. के संयुक्त तत्वाधान पर विश्वविद्यालय परिसर में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कम्पनी के 28 कर्मचारियों ने पंजीयन कराया जिनमें से 23 कर्मचारियों ने रक्तदान किया। प्रभारी रक्तकोष डा. शेखर ने बताया कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है



कृषि विश्वविद्यालय में रक्तदान करते युवा।

इसके लिए हम सभी को आगे आना चाहिए। बताया कि इसके जरिए किसी भी गरीब की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने एचआईवी के कारण बताते हुए कहा कि यह बीमारी संक्रमित सुई या असुरक्षित यौन सम्बंध बनाने से होती है। यह बीमारी छुआछूत से नहीं फैलती इस

लिए हमें पीड़ितों के साथ सहानुभूति बरतने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में वृजेन्द्र कुमार शुक्ला, ने भी विचार व्यक्त किये। इस मौके पर डा. विनीत सचान, पंकज शुक्ला, पी पूर्णाचन्द्र, सत्यनारायणा, रिजवान हुसैन, पहलवान सिंह, वृजेश श्रीवास्तव रहे।

आंध्रा के 23 लोगों ने रक्तदान किया

● अमर उजाला ब्यूरो

बांदा। जरूरतमंदों के लिए आंध्र प्रदेश के 23 लोगों ने काशीराम कृषि विश्वविद्यालय में लगे शिविर में रक्तदान किया। आयोजन जिला एड्स नियंत्रण

एवं रोकथाम इकाई व रामकेय इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड ने मिलजुलकर किया था।

काशीराम कृषि विश्वविद्यालय निर्माण में लगे एजेंसी के कर्मचारियों ने शुक्रवार को रक्तदान किया। पंजीकरण 60 में

सिर्फ 23 का ही खून लिया गया। रक्तकोष प्रभारी डा.शेखर ने बताया कि 35 दिनों तक ही खून सेलामत रहता है। रक्त बर्बाद न हो सके इस वजह से और का खून नहीं लिया गया। टीबी व एचआईवी गोष्ठी भी हुई। जिला एड्स कार्यक्रम प्रबंधक ब्रजेंद्र कुमार शुक्ला ने रक्तदान व एचआईवी के बारे में बताया। जिला अस्पताल चिकित्सक डा.विनीत सचान ने रक्तदान को महादान बताते हुए इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। शिविर का उद्घाटन प्रोजेक्ट मैनेजर टी रमेश ने किया। एचआर अधिकारी पंकज शुक्ला, स्टोर प्रभारी पी पूर्णाचंद्र, डीपीएम सत्यनारायणा ने लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। एचआईवी रोग से बचाव के उपाय बताए। रिजवान हुसैन, जिला रक्तकोष लैब टेक्नीशियन पहलवान सिंह, ब्रजेश श्रीवास्तव, भइयन, विष्णु, सत्यनारायण निगम ने व्यवस्था संभाली।



स्वैच्छिक रक्तदान करते कृषि विश्वविद्यालय कर्मी।